SEM -1 पेपर-101 में

आपका स्वागत है।

साहित्य क्या है-

"भाषा के माध्यम से जो कुछ भी कहा गया, वह वांड्मय है।"

साहित्य के संदर्भ में संस्कृत की इस परिभाषा में म र्म है - शब्दार्थौसहितौ काव्यम्।

संक्षेप में-

"साहित्य
शब्द, अर्थ और भावनाओं की वह त्रिवेणी है जो जनहि त की धारा के साथ उच्चादर्शों की दिशा में प्रवाहितहै। "

- रामचंद्रशुक्ल

*साहित्य वह है जिसे चरस खींचता हुआ किसान भी समझ सके और खूब पढ़ा-लिखा भी समझ सके।

-महात्मा गांधी

* जब अंतरजगत का सत्य बहिर्जगत के सत्य के संपर्क में आकर संवेदना या सहानुभूति उत्पन्न करता है, तभी साहित्य की सृष्टि होती है।

-रामकुमार वर्मा

* सच्चे साहित्य का निर्माण तो एकांत-चिंतन और एकांत साधना में होता है।

-अनंत गोपाल शेवड़े

*सबसे जीवित रचना वह है जिसे पढ़ने से प्रतीत हो कि लेखक ने सबकुछ फल की तरह प्रस्फुटित किया है।

-शरतचंद्र

* जब अंतरजगत का सत्य बहिर्जगत के सत्य के संपर्क में आकर संवेदना या सहानुभूति उत्पन्न करता है, तभी साहित्य की सृष्टि होती है।

-रामकुमार वर्मा

साहित्य का पतन राष्ट्र के पतन का द्योतक है। पतन की ओर वे परस्पर साथ देते हैं।

-गेटे

* साहित्य, संगीत और कला से रहित पुरुष बिना पूंछ और सींग के साक्षात पशु हैं।

-अज्ञात

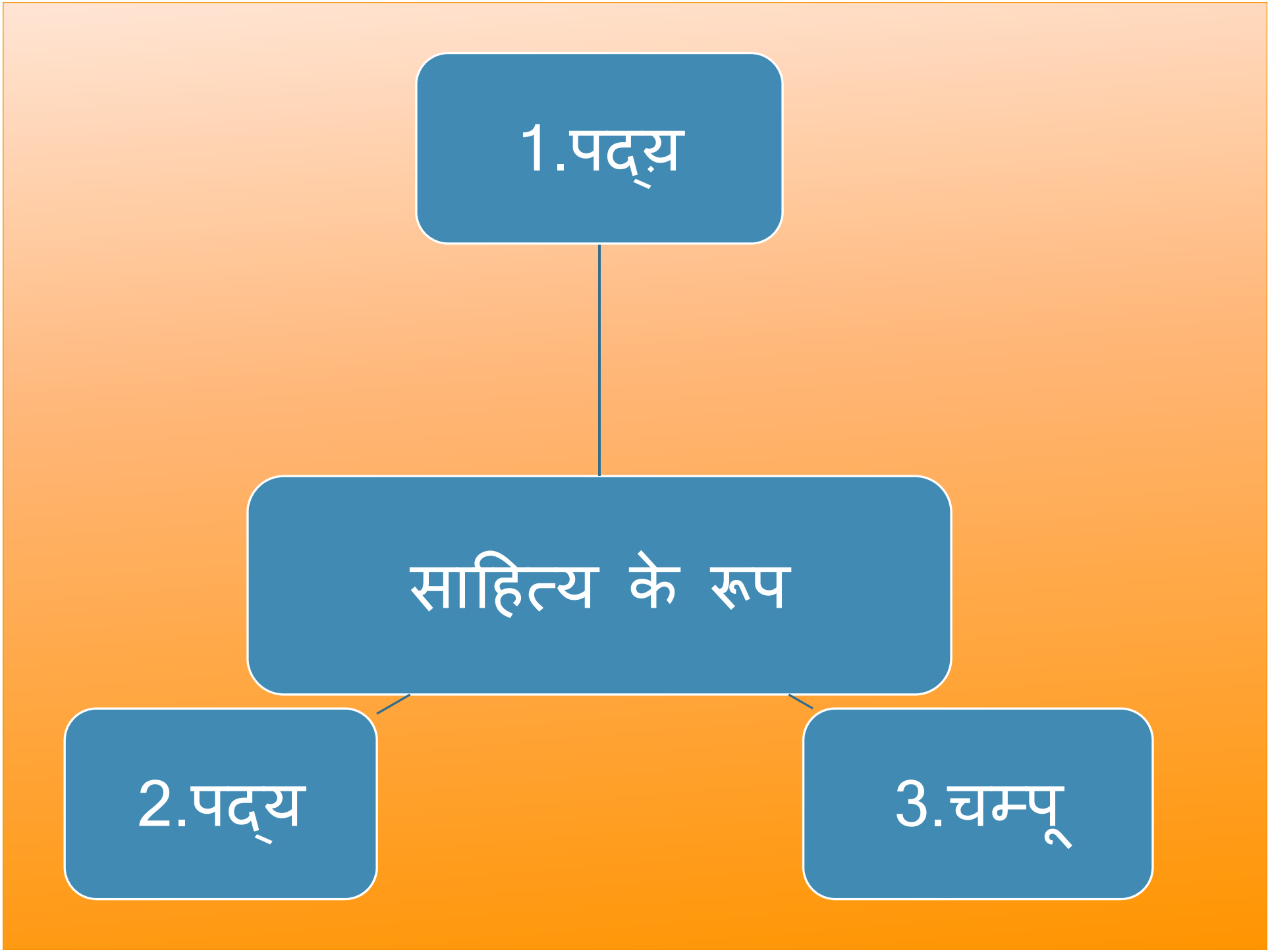
1.पद्य़
साहित्य के रूप
2.पद्य
3.चम्पू

हिंदी में तीन प्रकार का साहित्य मिलता है।-

गद्य, पद्य और चम्पू।

भाव प्रधान युक्त रचना पद्य और विचार प्रधान युक्त रचना गद्य है।

गद्य, पद्य युक्त रचना पद्य चम्पू है।